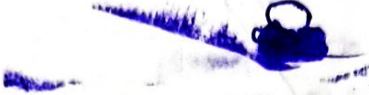


खण्ड 3  
कर्म ( )

23/1/24

सुभाष चंद्रबोर २२/१/२४  
राष्ट्रिय सेवा समिति  
प्राप्त दिनांक 19/1/24  
को पत्र हो।



19/1/24

सुभाष चंद्रबोर २२/१/२४  
राष्ट्रिय सेवा समिति  
प्राप्त दिनांक 7/6/24  
को पत्र हो।



7/6/24

वकुलाग नैपेमा खका उपाधि 19/1/24  
ए वरम वजिल जकी। सरका नैपेमा लकी  
काठ इरुम डि वरम लुमी गडी जकी जगा  
वरम मे' उल्लुत पत्रावली के लको के  
कोटलो इके अपने कटे जमना - खजे  
अपनीगिप कोष पाबंडु काने रके ना शरि  
दौने वाली शरि अमुखिया का उल्लुत  
विमनी शरि जिमी शरि लरु संभव सी धेन  
घरा वजक मे अजकी के पाबंडु काम  
का निवेदन विना। अजकी के जामे नो धेन  
लरु छिना जय। जो शरि अजाल  
हेम। शरि 28.2.20 के अपना जय  
ज० पत्र मेम लिका कठ निवेदन छिना  
डि इरु अजकी चापकठ छि रके  
आजकी ही सपना मे उरुम लको के  
आपार ल शरिना ल० मेम छिना धे



इसे सापदान के जिम्मे लरह के मुकलन  
 व इति नही होती है। सापदान में सापदान  
 के पार्वटु राने का अधिकारी नही है।  
 इस कजह के प्रारम्भ पर अध्यापक मन्त्र  
 के खासिय जिमे जाने के विवेक लिये  
 गया। इनके पत्रावली के समेत सापदान डाटा  
 प्रकृत व प्रकृत रेकोर्ड में सापदान डाटा  
 प्रकृत जकाद के अक्कोकन जिमा व डिफर  
 कधिकता पत्रावली के अलावा पत्रावली  
 जिमा। सापदान के असापन के जिम्मे लरह  
 के इति हो साहित नही नजिमा गया।  
 उक्त आदेशी आदेश के इति आदेशी  
 हो यदि असापन के पार्वटु का डिमा गया  
 हो असापन एमि व अधुखिया असापन के  
 देना देना है। सापदान अपने प्रारम्भ पर  
 अध्यापक मन्त्र के लिये कसे के  
 कसमल रहे हो प्रकृत व देना के प्रकृत  
 के मुकलन लरह का इति देना वाली इति  
 लीने डिफर असापन के पत्रा के अक्षुणी नजिमा  
 हो असापन सापदान। प्रारम्भिक का प्रारम्भ पर  
 असापन खास आदेश साहित का  
 देने के कारण असापन के खासिय  
 डिमा जाता है तथा पत्रावली पर जारी रहे  
 प्रारम्भ दिनांक 03/05/2019 खासिय डिमा  
 जाता है पत्रावली के मल मुकल होकर उक्त  
 कसमल के असापन मुकल काउ के साथ  
 असापन ली। प्रकृत

SDM 